मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO
Delhi on 10/11.09. 2023

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 59 अंक 09 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख

सितम्बर 2023 बहाई वर्ष : 180

विश्व न्याय मन्दिर

बहाउल्लाह कहते हैं कि *'जिस उद्देश्य के लिए नश्वर मानवों ने, पूर्ण शून्यता से, अस्तित्व जगत में कदम रखा है, वह यह है कि वे दुनिया की बेहतरी के लिए काम कर सकें और एक साथ एवं सद्भाव में रह सकें।''* उन्होंने ऐसी शिक्षाएँ प्रकट की हैं, जो इसे संभव बनाती हैं। एक ऐसे समाज का निर्माण करना जो सचेतन रूप से इस सामूहिक उद्देश्य हेतु काम करता है, न केवल इस पीढ़ी का, बल्कि आने वाली अनेक पीढ़ियों का काम है, और बहाउल्लाह के अनुयायी उन सभी का स्वागत करते हैं जो इस उपक्रम में उनके साथ परिश्रम करते हैं। —30 दिसम्बर, 2021

झारखण्ड में आयोजित गतिविधियाँ

• जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में एक दिवसीय कोषाध्यक्ष सहायकों की बैठक 27 जुलाई 2023 को सम्पन्न हुई, जिसमें 7 सहायकों के साथ–साथ दो सहायक मंडल सदस्य और परिषद् सचिव शामिल हुए। उक्त बैठक में बहाई कोष से सम्बंधित तैयार की गई सामग्री का अध्ययन किया और बहाई कोष के संदर्भ में अपने ज्ञान को और सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया। इसके अलावा बहाई कोष से सम्बंधित कुछ प्रेणादायक कहानियों का भी अध्ययन किया गया और बहाई कोष के विभिन्न स्रोतों पर गहनता पूर्वक परामर्श किया गया। साथ ही, कुछ व्यावहारिक योजना तत्काल बनाई गईं जिसमें उन्होंने एक लेखन पुस्तिका में अपने समुदायों तथा क्लस्टरों में निवास कर रहे अग्रणी बहाइयों को बहाई कोष के संदर्भ में पुनः जागरूक और दृढ़ कर दान प्राप्त करने की योजना बनाई गई। एक सुन्दर पहल परिषद द्वारा की गई सभी सहायकों को एक पहचानपत्र प्रदान किया गया जिसे धारण कर वे समुदायों में दान प्राप्त करेंगे। इसके बाद उन्हें पुनः दान प्राप्ति रसीद की जानकारी दी गयी और ऑनलाइन दान प्राप्ति के लिए कुछ ध्यान देने योग्य बातों को बताया गया।

• जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में राज्य बहाई प्रशिक्षण मण्डल के माध्यम से चार दिवसीय संयोजक सह–सहयोगी बैठक 6 से 9 जुलाई 2023 तक आयोजित की गई, जिसमें 12 क्लस्टरों के 55 मित्रों ने भाग लिया। इस बैठक में क्लस्टर एवं राज्य स्तरीय संयोजक सह–सहयोगी, सहायक मण्डल सदस्य, परिषद सदस्य, अनुभवी शिक्षक, अनुप्रेरक, सह–शिक्षक इत्यादि मित्रगण शामिल हुए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अंतिम दिन महाद्वीपीय सलाहकार भी शामिल हुए। इस चार दिवसीय बैठक का

शेष पृष्ठ 3 पर



जमशेदपुर में आयोजित कोषाध्यक्ष सहायकों के प्रतिभागी

इस अंक में

मध्य प्रदेश में आयोजित मूल–गतिविधियों की झलकियाँ

• महू क्लस्टर जहाँ पर सघन रूप से प्रभुधर्म की गतिविधियाँ, वहाँ के स्थानीय मित्रों द्वारा संचालित की जाती हैं। गतिविधियों के माध्यम से यह देखा गया है कि वहाँ पर युवा प्रभुधर्म के प्रेम के प्रति दृढ हो रहे हैं और बहाई नियमों व सिद्धांतों को अपने जीवन में वह अब लागू करने लगे हैं। गतिविधियों में सात बच्चों की बहाई बाल नैतिक कक्षाएँ नियमित रूप से चल रही हैं, जिनमें 65 बच्चे भाग लेते हैं। 5 किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों को संचालित किया जाता है, जिसमें 35 किशोर भाग लेते हैं। एक स्टडी सर्कल है जो स्थानीय नाभिक द्वारा संचालित किया जाता है। इसके साथ ही यहां पर 8 से 10 युवाओं के घरों में प्रार्थना सभाएँ संचालित की जा रहीं हैं।



महू क्लस्टर में आयोजित बच्चों की बहाई कक्षा

का अध्ययन किया जा रहा है इसमें 21 प्रतिभागी नियमित रूप से भाग ले रहे हैं तथा रूही पुस्तक संख्या–2 'सेवा का संकल्प' नामक पुस्तक का अध्ययन 30 प्रतिभागियों द्वारा किया जा रहा है जो नियमित रूप से अध्ययन कर रहे हैं। यह अध्ययनवृत्त कक्षा दो गांवों चकगांव और फूलपुर में चल रही हैं। इस कक्षा के माध्यम से मित्र अपने गांव में भक्तिपरक चरित्र तथा एक–दूसरे के घरों में जाना सीख रहे हैं और अर्थपूर्ण वार्तालाप की एक प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं।

बानमोर समुदाय में 15 किशोर समूह हैं, जिनमें 200 किशोर नियमित रूप से भाग ले रहे हैं और 10 एनिमेटर हैं जो अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। यहाँ पर कई किशोर समूह ऐसे भी स्थापित हैं जिन्होंने किशोर कार्यक्रम की एक



बानमोर समुदाय में चल रहे किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम के प्रतिभागी

• बानमोर समुदाय में अभी वर्तमान में 6 अध्ययनवृत्त कक्षाएँ चल रही हैं, जिसमें 51 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं जिसमें से तीन अध्ययनवृत्त कक्षाओं में रूही पुस्तक–1 'दिव्य जीवन एक चिंतन' से पांच या छः पुस्तकों की श्रृंखला को पूर्ण कर लिया है। साथ ही, कुछ किशोर ऐसे हैं जो अब युवा हो गये हैं और अभी वर्तमान में रूही पुस्तकों का

शेष पृष्ठ 4 पर

बिहार में दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन

• बिहार के कोठिया, हथवन, तेतरावां और हेमनपुर जैसे उन्नत गांवों के साथ तीन दिवसीय परामर्शी बैठक का आयोजन 20 से 22 जुलाई 2023 तक महाराणा प्रताप भवन, पटना में किया गया।

कार्यक्रम में विश्व न्याय मंदिर के सदस्य, श्री प्रवीण कुमार मलिक की गरिमामय उपस्थिति रही। उनके अलावा इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण केंद्र की सदस्य श्रीमती ग्लोरिया जावेद, महाद्वीपीय सलाहकार मंडल के सदस्य और राष्ट्रीय महासचिव सुश्री नाज़नीन रौहानी का भी मार्गदर्शन प्राप्त



विश्व न्याय मन्दिर के सदस्य श्री प्रवीण मलिक के साथ पटना में आयोजित हुई बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

हुआ। साथ ही, इस कार्यक्रम में राज्य बहाई परिषद बिहार के सदस्यगण, सहायक मंडल सदस्य, प्रशिक्षण संस्थान मंडल के सदस्य, राष्ट्रीय सोशल एक्शन डेस्क के प्रतिनिधि एवं लर्निंग साईट के मानव संसाधन सहित लगभग 80 से अधिक प्रतिभागी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

इन तीन दिनों में प्रस्तुति के माध्यम से हमें 4 गांवों यानि कोठिया, हथवन, तेतरावां और हेमनपुर की वास्तविकता का पता चला। विश्व न्याय मंदिर के सदस्य श्री प्रवीण कुमार मल्लिक ने सामुदायिक जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे शिक्षा, महिला शिक्षा, कृषि, पर्यावरण आदि पर जोर दिया जो हर सामुदायिक जीवन के अभिन्न अंग हैं। इसके अलावा उन्होंने गांव में सकारात्मक बातचीत, सामाजिक प्रवचन, परामर्श, भक्तिपूर्ण माहौल को भी उचित महत्व दिया। महिलाओं की उच्च शिक्षा को भी महत्व दिया गया। उन्होंने मित्रों को नौ वर्षीय योजना के व्यापक दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से समझने के लिए विश्व न्याय मंदिर के 30 दिसम्बर 2021 और रिज़वान 2023 संदेश को बार–बार पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। तीन दिवसीय परामर्शी बैठक आस्था के तीन महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर आधारित थी जैसेः–

• समानता का सिद्धांत।

• एकता का सिद्धांत।

• न्याय का सिद्धांत।

इस बैठक में सभी प्रतिभागियों ने निम्नलिखित विषयों

♦ महिला शिक्षा।

♦ गाँव में एकता लाने में नियमित भक्तिपरक सभा का महत्व।

♦ हमारे समाज के परिवर्तन के लिए बच्चों और किशोरों की शैक्षणिक और आध्यात्मिक शिक्षा की आवश्यकता।

♦ सामाजिक विमर्श के लिए मंच तैयार करना।

पर अपने–अपने विचार व्यक्त किए और एक–दूसरे से सीख प्राप्त की।

• महाद्वीपीय सलाहकार श्री राहुल कुमार की उपस्थिति में कोठिया गांव की कोर टीम के साथ 2 अगस्त 2023 से 6 अगस्त 2023 तक एक बहुत ही विशेष और अनूठी परामर्श बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बहाई अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन (बीआईडीओ) के निदेशक, श्री सिना रहमानिया; नेटवर्क कार्यालय के लिए नेशनल डेस्क से और सामाजिक क्रियाविधि नेशनल डेस्क से मित्रगण शामिल हुए। कोठिया के संबंधित सहायक मंडल सदस्य, सचिव सहित राज्य बहाई परिषद और प्रशिक्षण संस्थान मंडल भी उपस्थित थे।

इस बैठक का उद्देश्य कोठिया के मित्रों को उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सीखना और सहायता करना था ताकि वे स्वयं अपने गांव के आध्यात्मिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास के लिए योजना बना सकें और सोच सकें। प्रतिदिन कोर टीम की श्री सिना के साथ बैठक होती थी और प्रत्येक कार्य के लिए मार्गदर्शन मिलता था।

इस बैठक के दौरान सामुदायिक जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे शिक्षा प्रणाली, स्वास्थ्य, भक्तिपरक सभा, गृह भ्रमण, कृषि, पी.एस.ए. कार्यक्रम पर चर्चा की गई और व्यावहारिक रूप से कोर टीम को परामर्श और योजना बनाने में सहायता की गई ताकि 'गांव के दृष्टिकोण' को लागू किया जा सके।

बच्चों, किशोरों और युवाओं की क्षमताओं से संबंधित संपूर्ण शिक्षा, शिक्षक, अनुप्रेरक की भूमिका को व्यवस्थित करने के लिए कोठिया की कोर टीम के साथ



कोठिया गांव में आयोजित बैठक में मित्रगण विचार–विमर्श करते हुए

गहन परामर्श किया गया।

कोठिया के विभिन्न संस्थानों, स्कूलों और ट्यूटोरियल में काम करने वाले लगभग 40 शिक्षकों के लिए एक बैठक भी आयोजित की गई और शिक्षकों द्वारा सामुदायिक कल्याण के 'प्रवर्तक' के रूप में उनकी भूमिका के बारे में बहुत खुली और स्पष्ट सलाह दी गई।

इमली तल टोले में एक बड़े पैमाने पर भक्तिपरक सभा का आयोजन किया गया जिसमें बच्चें, किशोर, युवाओं और वयस्कों सहित 60 से अधिक लोगों ने भाग लिया जो वास्तव में आध्यात्मिक परिवर्तन के मार्ग में पूरे गांव के लिए एक वरदान था। कोर टीम ने मित्रों को पीएसए कार्यक्रम के एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया जो जल्द ही शुरू होने वाला है। पीएसए कार्यक्रम के महत्व के बारे में सुंदर चर्चा से मित्रों को अधिक मदद मिली।

इन 4 दिनों के कार्यक्रम के दौरान 4 समूहों को कोठिया के 4 अलग–अलग टोलों में परिवारों के समूह के साथ गृह भ्रमण के लिए तैयार किया गया। कोर टीम के सदस्यों को विभाजित किया गया, साथ ही प्रत्येक समूह में ले जाया गया। चर्चा के विषय पहले से तय थे और समूह ने गृह भ्रमण के लिए अद्भुत तैयारी की थी। प्रत्येक समूह की उत्साहवर्धक बातचीत का गाँव पर आध्यात्मिक प्रभाव पड़ा।

इसके अलावा ज्ञानचक गांव में एक सामुदायिक सभा का भी आयोजन किया गया, जिसमें अच्छी संख्या में बच्चे, किशोर, युवा और वयस्क शामिल हुए। श्री सिना ने व्यक्त किया कि वह इन सभाओं में आने और उनसे सीखने के लिए बहुत धन्य और सौभाग्यशाली थे। इसके अलावा ज्ञानचक गांव के बच्चों और किशोरों द्वारा सुंदर प्रार्थनाएँ व कहानियाँ साझा की गई। इस गांव के मानव संसाधनों द्वारा आस्था की एक संक्षिप्त यात्रा के साथ–साथ ज्ञानचक गांव की मुख्य गतिविधियों की एक छोटी–सी रिपोर्ट भी साझा की गई। वहां पीएसए प्रोग्राम आरम्भ करने के लिए प्यार भरी बातचीत भी शुरू की गई।

जून 2023 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े

क्षेत्रीय / राज्य बहाई परिषद	भक्तिपरक बैठकों की संख्या	भक्तिपरक बैठकों में उपस्थिति	बच्चों की बहाई कक्षाओं की संख्या	बच्चों की बहाई कक्षाओं में उपस्थिति	किशोर समूहों की संख्या	किशोर समूहों में उपस्थिति	स्टडी सर्कल की संख्या	स्टडी सर्कल में उपस्थिति	कुल मूल गतिवधियां	मूल गतिविधियों में कुल उपस्थिति
आंध्र प्रदेश+	503	1823	62	378	36	229	25	86	626	2,516
असम+	1529	5099	90	649	38	252	12	57	1,669	6,057
बिहार	16349	104119	1752	14198	1300	10695	496	3911	19,897	1,32,923
छत्तीसगढ़	732	4348	10	78	5	26	3	20	750	4,472
गुजरात	1344	3899	82	691	70	503	54	420	1,550	5,513
झारखण्ड	4335	22908	311	2265	216	1461	95	743	4,957	27,377
कर्नाटक	134	424	15	121	18	99	26	96	193	740
केरल	586	2375	30	203	18	81	11	36	645	2,695
मध्य प्रदेश	762	5481	92	1074	88	806	41	284	983	7,645
महाराष्ट्र+	20663	88675	937	9465	747	6998	166	1214	22,513	1,06,352
मणिपुर+	434	1519	39	299	23	159	29	105	525	2,082
ओडिशा	3403	13027	182	1243	114	670	63	249	3,762	15,189
पंजाब+	1648	8712	82	643	69	613	27	454	1,826	10,422
राजस्थान	1874	16239	202	1795	135	905	50	303	2,261	19,242
सिक्किम+	1027	3135	116	771	76	596	33	199	1,252	4,701
तमिलनाडु+	11708	40961	574	4520	417	2977	522	2314	13,221	50,772
त्रिपुरा	3425	15608	223	1529	129	741	172	557	3,949	18,435
उत्तर प्रदेश+	109321	711055	5723	43045	4066	27998	1968	15888	1,21,078	7,97,986
पश्चिम बंगाल	33965	181924	3260	23114	2306	14658	1322	8734	40,853	2,28,430
कुल	**2,13,742**	**12,31,331**	**13,782**	**1,06,081**	**9,871**	**70,467**	**5,115**	**35,670**	**2,42,510**	**14,43,549**

झारखण्ड में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

मुख्य उद्देश्य संख्यात्मक एवं प्रक्रियाओं के आधार पर पिछले तीन महीनों की समीक्षा तथा आगामी तीन महीनों की योजना तैयार करना, मार्गदर्शनों का अध्ययन करना, सीखों का आदान–प्रदान करना आदि प्रमुख है। तीन दिनों के प्रथम सत्र तक तीन समूहों में रुही पुस्तक संख्या–1 (दिव्य जीवन एक चिंतन) की तीसरी इकाई जीवन और मृत्यु का अध्ययन किया गया और दूसरे सत्र में प्रथम दिन अध्ययनवृत कक्षाओं की समीक्षा, दूसरे दिन किशोर समूह और बहाई बाल कक्षाओं की समीक्षा तथा तीसरे दिन प्रार्थना सभाओं की समीक्षा की गई। पुस्तक संख्या–1 की तीसरी इकाई का अध्ययन करना काफी लाभप्रद रहा क्योंकि कई अवधारणाएँ बहुत से मित्रों को स्पष्ट नहीं थीं इसके दौरान स्पष्ट हुईं। नये संस्करण पुस्तक के अध्ययन करने से एक अलग ऊर्जा सभी को प्राप्त हुई। इसके अध्ययन के उपरांत लगभग सभी मित्रों ने अपनी एक नई पुस्तक संख्या–1 का अध्ययन समूह स्थापित करने का निर्णय लिया। इस दौरान गीत संगीतों का भी खूब आनंद उठाया गया। समीक्षा के दौरान मित्रों ने गत तीन महीनों के अपने कार्यों, उपलब्धियों, चुनौतियों को संख्यात्मक, भावनात्मक तथा प्रक्रियाओं के माध्यम से साझा किया। प्रत्येक क्लस्टर ने अपनी प्रस्तुति की। अंतिम दिन महाद्वीपीय सलाहकार की उपस्थित में रिज़वान 2023 संदेश का अध्ययन किया गया, जिसमें उन्होंने गत एक वर्ष की उपलब्धियों को समझने एवं आगामी दिनों में प्रणालीबद्ध तरीके से कार्य करने की प्रक्रियाओं को समझने में सहायता प्रदान की। सलाहकार ने आगामी चक्र की योजना में शामिल करने के लिए कुछ योजना के तत्वों को भी साझा किया, जैसे जहाँ 10 मानव संसाधन हैं वहाँ इस चक्र 30 के बारे में सोचा जाये और जहाँ 30 हैं वहाँ 30 से अधिक के विषय में। और भी ऐसे कई योजना के तत्व थे जिन्हें प्रशिक्षण संस्थान सचिव द्वारा पूर्व ही स्पष्ट कर दिया गया था। बारी–बारी से प्रत्येक क्लस्टर द्वारा अपनी आगामी चक्र की योजना को पेपर पर बनाकर प्रस्तुत किया गया। जमशेदपुर, आसनबनी, पटमदा, मानगो क्लस्टरों की प्रस्तुतियों पर बेहद ही बारीकी से ध्यान दिया गया क्योंकि इन्हीं क्लस्टरों की सीखों को अन्य क्लस्टरों में पहुँचाया जाना है।



संयोजक सह–सहयोगी की बैठक में भाग लेने वाले मित्रगण

● निधन

श्रीमती तृप्ति काना अध्या

हमें यह बताते हुए अत्यंत दु:ख हो रहा है कि हरियाणा के गुरुग्राम की समर्पित बहाई श्रीमती तृप्ति काना अध्या 14 अगस्त, 2023 को आभा लोक में गमन कर गईं। श्रीमती अध्या ने लगभग तीन दशकों तक बहाई संस्थाओं में अनेक पदों पर अपनी अथक सेवाएँ प्रदान कीं। गुरुग्राम में प्रभुधर्म के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी समर्पित सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।



Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Delhi P.S.O. Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

मध्य प्रदेश में आयोजित मूल–गतिविधियों की झलकियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

अध्ययन कर रहे हैं।

पूरे क्लस्टर में 19 बच्चों की कक्षाएँ नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं, जिसमें से 13 बच्चों की कक्षा में 256 बच्चे भाग ले रहे हैं। बाकी 6 बच्चों की कक्षाएँ दूसरे स्तर में हैं, जिसमें 75 बच्चे भाग ले रहे हैं। इन कक्षाओं को संचालित करने वाले शिक्षकों की संख्या 15 है जो 5 गांवों में संचालित की जा रही हैं। हैं, बच्चों को गांव के अन्दर बहाई गीत, प्रार्थना गुनगुनाते कभी भी सुना जा सकता है। इन कक्षाओं से होने वाले बदलाव को देखकर बच्चों व किशोरों के अभिभावक भी बहुत प्रसन्न हैं।

• इन्दौर समुदाय में 12 बहाई बाल नैतिक कक्षाएँ चल रही हैं जिसमें 121 बच्चे नियमित रूप से भाग ले रहे हैं, इन्दौर समुदाय के निपानिया में 5 कक्षाएँ हैं, जिसमें 50 बच्चे, मालवीय नगर में 2 कक्षाएँ हैं, जिसमें 20 बच्चे शामिल हो रहे हैं, बापूगांधी नगर में भी 2 कक्षाएँ हैं, जिसमें 31 बच्चे हैं, स्कीम नं. 113 में 1 बच्चों की कक्षा है जिसमें 10 बच्चे भाग ले रहे हैं एवं सनावदिया में 1 कक्षा है जो 15 बच्चों के साथ संचालित की जा रही है। इन कक्षाओं में बच्चों की कक्षा स्तर–1 का अध्ययन किया जा रहा है। एक कक्षा बहाई भवन इन्दौर में भी संचालित की जा रही है जिसमें 5 बच्चे शामिल हो रहे हैं जो कक्षा स्तर–2 का अध्ययन करे रहे हैं।



इंदौर समुदाय में चल रही बच्चों की कक्षा

एक कक्षा बड़ापुरा गांव में चल रही है जो कि स्तर–2 में है जिसमें बहुत सारे परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं, जिसमें बच्चे एक स्तर से दूसरे स्तर में प्रवेश कर बहुत कुछ सीख रहे हैं। वहीं कुछ ऐसे बच्चे भी हैं जो अब किशोर हो चुके हैं और किशोर कार्यक्रम में भाग ले चुके हैं। साथ ही, एक कक्षा चक्कगांव में संचालित की जाती है जो स्तर–3 में प्रवेश करने वाली है वह भी आगे बढ़ती जा रही है और उसमें भी बहुत बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। बच्चों की आदतों में बहुत सारे बदलाव देखने को मिल रहे

कोष सम्वर्धन प्रभाग से

केवल आपको ही नई विश्व सभ्यता के निर्माण में आर्थिक योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त है

"...कोष में दान देना एक ऐसी सेवा है जो प्रत्येक बहाई दे सकता है चाहे वह अमीर हो या गरीब; यह एक ऐसा आध्यात्मिक दायित्व है जिसमें राशि की मात्रा महत्व नहीं रखती है। दान देने वालों के त्याग–प्रेम की भावना और इस सेवा में सभी बहाईयों की एकता जो आध्यात्मिक पुष्टि लाती है।

(विश्व न्याय मंदिर के 18 दिसम्बर, 1963 के पत्र से)

धर्म की प्रगति प्रत्येक बहाई पर आधारित है चाहे वह अमीर हो या गरीब

विश्व के बहाईयों में से अधिकांश बहाई गरीब हैं। फिर भी बहाईयों को, केवल बहाईयों को ही बहाउल्लाह ने यह मौका दिया है जो अपनी भौतिक वस्तुओं को धर्म की प्रगति के लिए दान में दे सकते हैं। दान में दी हुई राशि की मात्रा महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि देने वाले की त्याग की भावना जो ईश्वर की सम्पुष्टि को आकर्षित करती है। विश्व न्याय मंदिर का यह विश्वास है कि बहाई धर्म के इस मौलिक सिद्धांत को समस्त विश्व में और अधिक समझने की आवश्यकता है : कि कोष में दान देना प्रत्येक बहाई के आध्यात्मिक जीवन का एक हिस्सा होना चाहिए और इस दायित्व को पूरा करना हर अनुयायी का एक आध्यात्मिक कर्तव्य है। बहुत सारे देशों में धर्म के शिक्षक जब बहाई सिद्धांतों को प्रस्तुत करते हैं, कोष में दान देना जो हर बहाई के जीवन का एक हिस्सा है उसको अपनी प्रस्तुति में शामिल करने में हिचकते हैं। किताब–ए–अक़दस में बहाउल्लाह ने अनेक बार कहा है कि धर्म के उद्देश्य को पूरा करने के लिए आध्यात्मिक और भौतिक साधनों को जोड़ना बहुत आवश्यक है। शोगी एफेंदी ने बहाई कोष को "धर्म का जीवन–रक्त" कहा है।

दान देने का सौभाग्य

चिकागो की एक बहाई अपना जीवन निर्वाह पियानो कक्षा चलाकर करती थी। बहाई मंदिर के निर्माण में वह अपना सहयोग देने की बहुत इच्छुक थी परन्तु गरीब होने के कारण उसके पास कभी भी पैसा नहीं होता था। वह एक छोटे कमरे में रहती थी यदा–कदा ही उसे खाने को अच्छा भोजन मिलता था। फिर भी महीने के अंत में कोई बचत नहीं होती थी।

आखिर उसने पियानो सिखाने के लिए सरकारी यातायात में ना जाकर पैदल जाने का निर्माण लिया और जो पैसा बचाया उस राशि को कोष में दान दिया। बहुत समय बीत गया जब मन्दिर का निर्माण पूरा हुआ तब यह महिला जो मंदिर से सिर्फ 25 किलोमीटर दूरी पर थी उसने सरकारी यातायात में जाकर उस मंदिर को देखा जिस मंदिर के निर्माण के लिए उसने दान दिया था।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.09.2023
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)